प्रदूषण फैलाने पर PMC ने जारी किया नोटिस

चर्चा में क्यों?

प्रयागराज नगर निगम (PMC) ने स्मार्ट सिटी प्रयागराज में **वायु गुणवत्ता को प्रभावित** करने के लिये **प्रयागराज विकास प्राधिकरण (PDA), लोक निर्माण विभाग (PWD), उत्तर-मध्य रेलवे (NCR) और जल निगम सहित नौ विभागों** को नोटिस जारी किया है

मुख्य बिंदु:

- नोटिस में **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग का रिट** नंबर शामिल है। निर्माण स्थलों को कवर करने के लिये हरे पर्दों का उपयोग करने, स्प्रिंकलर मशीनों के साथ नियमित रूप से पानी का छिड़काव करने, सड़क की मशीनीकृत सफाई करने और धूल को कम करने जैसे उपायों को लागू करने की सलाह दी गई है
- PMC के एक अधिकारी के अनुसार, **शहर में वायु प्रदूषण में वृद्धि** का कारण चल रही निर्माण गतिविधियाँ हैं। जनता की चिंताओं को दूर करने के लिये संबंधित विभागों को नोटिस भेज दिये गए हैं।
- निर्देशों का पालन नहीं करने पर नियमानुसार आगे की प्रवर्तन कार्रवाई की जा सकती है।

वायु प्रदूषक

सल्फर डाइऑक्साइड (SO2):

- परिचय: यह जीवाश्म ईंधन (तेल, कोयला और प्राकृतिक गैस) के उपभोग से उत्पन्न होता है तथा जल के साथ अभिक्रिया कर अम्ल वर्षा करता है।
- प्रभाव: श्वास संबंधी समस्याओं का कारण बनता है

ओजोन (O3):

- परिचय: सूर्य के प्रकाश में अभिक्रिया के तहत अन्य प्रदूषकों (छव और टव्) से बनने वाला द्वितीयक प्रदूषक।
- प्रभाव: आँख और श्वसन संबंधी श्लेष्म झिल्ली में जलन होना तथा अस्थमा के दौरे।

नाइट्रोजन डाइऑक्साइड (NO2):

- परिचय: यह तब बनता है जब नाइट्रोजन ऑक्साइड (छव) और अन्य नाइट्रोजन ऑक्साइड (नाइट्रस एसिड और नाइट्रिक एसिड) हवा में अन्य रसायनों के साथ प्रतिक्रिया करते हैं।
- प्रभाव: श्वसन रोग साथ ही यह अस्थमा को भी बढ़ा सकता है।

कार्बन मोनो ऑक्साइड (CO):

- परिचय: यह कार्बन युक्त यौगिकों के अधूरे दहन से प्राप्त एक उत्पाद है।
- प्रभाव: मस्तिष्क तक ऑक्सीजन की अपर्याप्त पहुँच के कारण थकान होना, भ्रम की स्थिति पैदा होना और चक्कर आना।

अमोनिया (NH3):

- परिचय: अमीनो एसिड और अन्य यौगिकों के चयापचय द्वारा उत्पादित जिनमें नाइट्रोजन उपस्थित होता है।
- प्रभाव: आँखों, नाक, गले और श्वसन मार्ग में तुरंत जलन और इसके परिणामस्वरूप अंधापन, फेफड़ों की क्षति हो सकती है।

शीशा/लेड (Pb):

- परिचय: चांदी, प्लैटिनम और लोहे जैसी धातुओं के निष्कर्षण के दौरान अपने संबंधित अयस्कों से अपशिष्ट उत्पाद के रूप में मुक्त होता है।
- प्रभाव: एनीमिया, कमजोरी और गुर्दे तथा मस्तिष्क की क्षति।

कणिका पदार्थ/पार्टिकुलेट मैटर (PM):

- PM10: ऐसे कण जो श्वास के माध्यम से शरीर में प्रवेश करते हैं, इनका व्यास सामान्यत: 10 मिमी. या उससे भी कम होता है।
- PM2.5: ऐसे सूक्ष्म कण जो श्वास के माध्यम से शरीर में प्रवेश करते हैं, इनका आकार सामान्यत: 2.5 मिमी. या उससे भी छोटा होता है।
- स्रोत: ये इनके उत्सर्जन निर्माण स्थलों, कच्ची सड़कों, खेतों/मैदानों तथा आग से उत्सर्जित होते हैं।
- प्रभाव: हृदय की धड़कनों का अनियमित होना, अस्थमा का और गंभीर हो जाना तथा फेफड़ों की कार्यक्षमता में कमी।

नोट: इन प्रमुख वायु प्रदूषकों को वायु गुणवत्ता सूचकांक में शामिल किया गया है जिसके लिये अल्पकालिक राष्ट्रीय परिवेशी वायु गुणवत्ता मानक निर्धारित किये गए हैं।

//

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/pmc-issues-notice-for-spreading-pollution